उपनिवेशवाद का अंत, यूरोपीय एकीकरण और वैश्वीकरण (1945–2000)
1. उपनिवेशवाद का अंत
द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय शक्तियाँ कमजोर हो गईं।
1947 – भारत की स्वतंत्रता
1950–1970 – एशिया और अफ्रीका के देशों की स्वतंत्रता
1955 – बांडुंग सम्मेलन
गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उदय
2. यूरोपीय एकीकरण
1951 – यूरोपीय कोयला और इस्पात समुदाय
1957 – रोम की संधि
1992 – मास्ट्रिख़्ट संधि → यूरोपीय संघ (EU)
उद्देश्य:
युद्ध रोकना
आर्थिक सहयोग
साझा बाजार
3. शीत युद्ध के बाद विश्व व्यवस्था
अमेरिका एकमात्र महाशक्ति बना
1991 – खाड़ी युद्ध
NATO का विस्तार
यूरोपीय संघ का सुदृढ़ीकरण
4. वैश्वीकरण
मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था का प्रसार
WTO (1995)
सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति
इंटरनेट युग की शुरुआत
5. 20वीं सदी का समग्र मूल्यांकन
1919–2000 का कालखंड
दो विश्व युद्ध
साम्राज्यवाद का अंत
समाजवाद बनाम पूंजीवाद का संघर्ष
यूरोपीय एकता और वैश्विक अर्थव्यवस्था का उदय
👉 निष्कर्ष: यह काल मानव इतिहास का सबसे उथल-पुथल और परिवर्तनकारी काल रहा।